पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- मई, 2024

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**:
   अनुलग्नक-I में दी गई हैं।
2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत मामले आदि**:
   शून्य।
3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित "अभियोजन के लिए स्वीकृति" के मामले**:
   शून्य।
4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है**:
   शून्य
5. **चालू स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):**
   विशेष अभियान 3.0 के एक भाग के रूप में, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और इसके संस्थानों में अप्रैल, 2024 के महीने के दौरान स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।
6. **स्वायत्त निकायों के पुनर्गठन की स्थिति:**
   मंत्रिमंडल ने दिनांक 13 जुलाई, 2022 को हुई अपनी बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन 5 स्वायत्तशासी निकायों का एक स्वायत्तशासी निकाय में विलय करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया। 26 दिसंबर, 2023 को पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद के संगम ज्ञापन तथा नियम-विनियम के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार के तहत सोसायटी के रजिस्ट्रार के कार्यालय में अम्ब्रेला स्वायत्तशासी सोसायटी 'पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद' का पंजीकरण कर दिया गया है।
7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:**
   समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।
8. **स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:**
   इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति (एसीसी) के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली (एवीएमएस) पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।
9. **ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है**:
   इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।
10. **माह के दौरान पास कर दिए गए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति** :
    लागू नहीं।

****

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) ने 20 मई से 30 मई, 2024 तक कोच्चि, केरल में 46वीं अंटार्कटिक संधि परामर्शदात्री बैठक (ATCM-46) और 26वीं पर्यावरणीय संरक्षण समिति (CEP-26) की बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया। ATCM-46 का उद्घाटन माननीय केंद्रीय केबिनेट मंत्री, श्री किरेन रिजीजू ने किया। राष्ट्रीय सुरक्षा बोर्ड के पूर्व उप सलाहकार राजदूत पंकज सरन ने 46वीं ATCM की अध्यक्षता की।
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा ऋतु (जून-सितंबर) 2024 के लिए अपने दीर्घावधि पूर्वानुमान आउटलुक को अपडेट किया। IMD ने जून 2024 के लिए मासिक वर्षा और तापमान पूर्वानुमान भी जारी किया। पूरे देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुनिष्ठ वर्षा दीर्घावधि औसत (LPA) का 106% होने की संभावना है।
- जियोस्पेशियल वर्ल्ड फोरम 2024 (GWF2024), रॉटरडैम, नीदरलैंड के दौरान 17 मई 2024 को SAMUDRA मोबाइल ऐप (समुद्री डेटा संसाधनों और परामर्शिकाओं के लिए समुद्री उपयोगकर्ताओं तक स्मार्ट पहुँच) बनाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) को जियोस्पेटियल वर्ल्ड एक्सीलेंस इन मेरीटाइम सर्विसेव पुरस्कार प्रदान किया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और नेशनल फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने चरम मौसम की घटनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दोनों संगठनों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए 6 मई 2024 को एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।
- IMD ने दोनों संस्थानों के बीच सहयोगी अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 9 मई 2024 को मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT), इलाहाबाद के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- दोनों संस्थानों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए IMD ने 10 मई 2024 को बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स), रांची के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसमें गर्ज के साथ तूफानों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 7.6 मिलियन किसान सीधे ही परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ईमेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क</u>

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक चालू किए गए	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	711* (808-97)	--	711
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	544** (1382-838)	--	544

एग्रो एडब्ल्यूएस	200	--	189
ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) सोंडे आधारित रेडियो सोंडे (आरएस)/रेडियो विंड (आरडब्ल्यू) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	*** 41	--	33
ओजोन (ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	02	--	02
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	09	--	06
नेफेलोमीटर	12	--	09
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च) (सफर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	10 (दिल्ली) ****शून्य (मुंबई) शून्य (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	4556
विमानन	107	--	107
रेडिएशन स्टेशन	47	---	47

* स्थापित किए गए कुल 808 में से 97 पुराने हैं।
** स्थापित किए गए कुल 1382 में से 838 पुराने हैं।
***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडार सहित।
****फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

मई, 2024 के दौरान, हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) डिफेंस जियो-इनफोर्मेटिक्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) भारतीय नौसेना, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक मौसम केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को रियल टाइम में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए। माह के अंतिम गुरुवार अर्थात् 30 मई, 2024 को जून, 2024 के लिए मान्य मासिक औसत पूर्वानुमान भी प्रयोक्ताओं के लिए शामिल किए गए थे।

मासिक मौसम सारांश (मई 2024)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महत्वपूर्ण घटनाएं

चक्रवात/अवदाब :
दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी (**BoB)** पर एक चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में, 25 मई 2024 को एक चक्रवाती तूफान (**CS)** "रेमल" आया। यह और तीव्र होकर 26 मई 2024 को उत्तरी बंगाल की खाड़ी पर एक गंभीर चक्रवाती तूफान (**SCS)** में बदल गया। चक्रवात " रेमल **"** के कारण बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के तटीय जिलों में मूसलाधार बारिश (भारी से अत्यधिक भारी वर्षा) हुई और तूफानी हवाएँ चलीं।

पश्चिमी विक्षोभ(WD):

पांच (5) चक्रवातों (2-4, 4-7, 9-15, 17-22 और 24-27 मई) ने उत्तर भारत को प्रभावित किया। हालाँकि, केवल 2 चक्रवात (4-7 और 9-15 मई) सक्रिय थे।

लू:
उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में, 16 मई से 31 मई के दौरान भीषण लू की स्थिति लगातार बनी रही और इसने इस क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया। 16-31 मई के दौरान मुख्य रूप से राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में भीषण लू की स्थिति देखी गई और फिर 28-31 मई के दौरान यह उत्तराखंड, ओडिशा और बिहार तक फैल गई।

ख) वर्षा परिदृश्य:
मई-2024 के महीने में पूरे देश में 66.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो इसके दीर्घ अवधि औसत (एलपीए) 61.4 मिमी का 108% है। प्री-मानसून-2024 के महीने में पूरे देश में 125.9 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो इसके दीर्घ अवधि औसत (एलपीए) 130.6 मिमी का 96% है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	**भारी / बहुत भारीवर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 306**
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे	89
दिन 2/48 घंटे	88
दिन 3/72 घंटे	89

घ) तापमान परिदृश्य:
मई 2024 के महीने में पूरे देश में औसत तापमान 31.06 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 0.68 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यह 1901 के बाद से 5वां सबसे अधिक तापमान है। इस महीने के दौरान देश के मैदानी इलाकों में 28 मई 2024 को चूरू (पश्चिम राजस्थान) में अधिकतम तापमान 50.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया ।

ङ) गरज और ओलावृष्टि गतिविधि:
माह के दौरान (माह की अंतिम तिथि को 08:30 आईएसटी तक) गरजने और ओलावृष्टि की घटना नीचे तालिका में दी गई है:

क्र.सं.	क्षेत्र	तेज गर्ज के साथ तूफान वाले दिन	ओलावृष्टि की घटनाएं	गरजने की घटनाएँ	धूल भरी आंधी
1.	दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत	21	शून्य	शून्य	शून्य
2.	उत्तरी पश्चिमी भारत	25	06 (8, 9, 12, 15, 23 & 24 मई)	शून्य	04 (8, 10, 11 & 14 मई)
3.	पूर्वोत्तर भारत	27	शून्य	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	24	1 (19 मई)	3 (6, 7 & 8 मई)	शून्य
5.	मध्य भारत	22	शून्य	शून्य	शून्य
6.	पश्चिमी भारत	16	शून्य	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां:

अखिल भारत मौसम बुलेटिन: 124; अखिल भारत में प्रतिकूल मौसम अनुमान और चेतावनियां: 124; अखिल भारत साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट: 4; अगले 7 दिनों तक साइक्लोजेनेसिस पूर्वानुमान के साथ दैनिक उष्णकटिबंधीय मौसम पूर्वानुमान: 25 ; प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम के तहत अगले 5 दिनों के लिए दैनिक विषम मौसम दिशानिर्देश: 31, अगले 2 सप्ताह के लिए साइक्लोजेनेसिस के लिए साप्ताहिक विस्तारित अवधि आउटलुक: 5, अगले 5 दिनों के लिए उत्तरी हिंद महासागर में मछुआरों के लिए दैनिक चेतावनी: 25 (कोई चक्रवात दिवस नहीं), अगले 12 घंटों के लिए भारतीय नौसेना के लिए बेड़े का पूर्वानुमान: 50 (कोई चक्रवात दिवस नहीं), अगले 39 घंटों के लिए वैश्विक समुद्री संकट सुरक्षा प्रणाली के तहत गहरे समुद्र में जहाजों के लिए बुलेटिन: 50 (कोई चक्रवात दिवस नहीं), पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए जारी किए गए पर्वतीय मौसम बुलेटिन: 62, भारतीय सेना द्वारा फचुकांडी शिखर अभियान के लिए जारी अभियान पूर्वानुमान बुलेटिन: 09, प्रतिकूल मौसम के लिए तत्काल पूर्वानुमान दिशानिर्देश बुलेटिन: 31, पूर्वानुमान प्रदर्शन परियोजना (एफडीपी) – विषम गरज के साथ तूफान के लिए प्रेक्षण और क्षेत्रीय मॉडलिंग (स्टॉर्म) बुलेटिन: 31, लू बुलेटिन: 31, महीने के दौरान जारी प्रेस विज्ञप्तियां: 50।

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें:

1. अप्रैल 2024 के महीने के लिए जलवायु सारांश जारी किया गया।
2. मई 2024 के महीने के लिए अल नीनो/दक्षिणी दोलन (ENSO) बुलेटिन और मई से अगस्त 2024 की अवधि के लिए दक्षिण एशिया के लिए ऋतुनिष्ठ जलवायु आउटलुक जारी किए गए। (क्लिकलिंक:https://imdpune.gov.in/cmpg/Product/ENSO_Bulletin/ENSO_IOD_Update_Bulletin_05_24.pdf)
3. केशोद हवाई अड्डे (रनवे (RWY) 23) पर डिजिटल वर्तमान मौसम संकेतक प्रणाली (DCWIS) और वर्तमान मौसम डिटेक्टर (PWD) प्रणाली स्थापित की गई।

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक स्थापित	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपी केन्द्र	156	129

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप:
भारतीय क्षेत्र में 91 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 2 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।

सुनामी**:**
इस माह के दौरान सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाला 1 समुद्र तलीय भूकंप (6 से अधिक तीव्रता वाला) आया।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	**माह के दौरान तक आरंभ किये गये**	**माह के दौरान प्राप्त डेटा**
अर्गो फ्लोट्स	118	75
मूरेड उत्प्लव	19	16
टाइड गॉज	36	33
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	8
एकॉस्टिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	17
सुनामी बुयो	7	4
वेव राइडर बुयो	16	10

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं.	**पूर्वानुमान के प्रकार**	**महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या**
1.	एकीकृत संभावित मत्स्यन क्षेत्र (PFZ) परामर्शिका (समुद्र सतह का तापमान (SST), क्लोरोफिल, पवन)।	29
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	11
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF)-लहर, पवन, धाराएं, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई) और D20 पूर्वानुमान	30
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	31
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

आउटरीच एवं जागरुकता

- इंकॉइस ने अन्तरराष्ट्रीय प्रचालनात्मक समुद्रविज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र (ITCOocean) के अंतर्गत दिनांक 20 से 24 मई 2024 के दौरान रीजनल इंटीग्रेटेड मल्टी-हैजर्ड अर्ली वार्निंग सिस्टम (RIMES) साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम देशों के लिए "ओशन फोरकास्ट प्रोडक्ट्स का कस्टमाइजेशन" संबंधी एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यशाला में बांग्लादेश, मालदीव, म्यांमार, तथा श्रीलंका के ग्यारह (11) सहभागियों ने हिस्सा लिया।

- इंकॉइस ने :

- भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट, अंडमान एवं निकोबार दीपसमूहों के लिए दो सौ छब्बीस (226 ऊंची लहर / महातरंग महोर्मि चेतावनी / अशांत सागर चेताविनयां जारी की।
- हिंद महासागर के लिए (i) संख्यात्मक समुद्री पवन पूर्वानुमान (पवन और भंवर) और (ii) वैश्विक संख्यात्मक समुद्री पूर्वानुमान (धारा, सामान्य तापमान और निरपेक्ष लवणता) के लिए क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम पूर्वानुमान केंद्र (RSMC) को तीस (30) दिनों का पूर्वानुमान जारी किए।
- उत्तरी बंगाल की खाड़ी में गंभीर चक्रवाती तूफान "रेमल" के लिए दिनांक 24-27 मई 2024 के दौरान इंकॉइस-आईएमडी की 19 संयुक्त बुलेटिन जारी किए गए।
- उत्तरी बंगाल की खाड़ी में गंभीर चक्रवाती तूफान "रेमल" के लिए दिनांक 24-26 मई 2024 के दौरान 14 तूफानी लहरें तथा आप्लावन पूर्वानुमान जारी किए गए।
- इंकॉइस ने साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम (SAHF), जिसका प्रशासन RIMES द्वारा किया जाता है, के लिए साप्ताहिक अपडेट्स प्रदान किए, जिसमें हिंद महासागर की समुद्री स्थिति के संबंध में विगत सप्ताह की ब्रीफिंग तथा आगामी सप्ताह में पूर्वानुमान की जानकारी (लहर, पवन, धारा, तरंग, समुद्री सतह का तापमान) शामिल हैं।
- तीस (30) दिनों की ऐल्गल ब्लूम सूचना सेवा जारी की गई तथा कोई अलर्ट सृजित नहीं किया गया ।
- इंकॉइस ने 4 और 5 मई 2024 को संबंधित राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों (UTs) के लिए महातरंग महोर्मि चेतावनियां जारी की।
- तेल खोजने के लिए ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ONGC) की सहायता करने वाली फर्म मेसर्स मैकडरमॉट को उनकी रिग लोकेशन में वायु एवं तरंग मापदण्डों संबंधी समुद्री दशा पूर्वानुमान (OSF) परामर्श सेवाएं प्रदान की।

- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तृत अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किया गया है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए थे।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनियां फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब सहित सोशल मीडिया एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।

<u>प्रकाशन</u>

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल 2024	मई 2024	कुल	अप्रैल 2024	मई 2024	कुल
वायुमण्डलीय विज्ञान	**10**	12	**22**	**2**	0	**2**
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	**13**	6	**19**	**0**	0	**0**
ध्रुवीय विज्ञान	**5**	4	**9**	**0**	0	**0**
भूविज्ञान एवं संसाधन	**4**	3	**7**	**0**	1	**1**
कुल	**32**	**25**	**57**	**2**	**1**	**3**

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

जलपोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	13	18	1
सागर मंजूषा	7	24	2
सागर तारा	23	8	2
सागर अन्वेषिका	5	26	1
सागर कन्या	0	31	0
सागर सम्पदा	22	9	1

अनुलग्नक II

एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोधी रोड
नई दिल्ली 110 003
दिनांक: 3 जून, 2024

प्रमाण पत्र

(माह मई 2024 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति मई,2024 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-12
ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-00
(ङ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-02

(धरकत आर लुइकेंग)
उप सचिव
dharkat@nic.in